

वाली ढकनी फलों की माला, माला पहना कर गधे पर बिठा कर नगर में घुमाने का कार्य।

वर्धयिता वि. (तत्.) बढ़ाने वाला, वृद्धि करने वाला, उगने में सहायता करने वाला।

वर्धरोध वि. (तत्.) वृद्धि को रोकने वाला, जीवधारियों के विकास क्रम को रोकने वाला।

वर्धापन पुं. (तत्.) 1. उन्नति, वृद्धि 2. नवजात शिशु की नाल काटना, नाल काटने का संस्कार 3. काट, तराश 4. वर्षगाँठ का उत्सव, वृद्धि आदि की कामना से किया जाने वाला एक धार्मिक कृत्य, महाराष्ट्र में प्रचलित अभ्यंग आदि कृत्य जो किसी की जन्मतिथि पर उसकी उन्नति, दीर्घायु आदि के लिए किया जाता है।

वर्धित वि. (तत्.) बढ़ाया हुआ, विकसित, उन्नत, तरक्की किया हुआ।

वर्धिष्णु वि. (तत्.) बढ़ते रहने वाला, नित्य विकास रत, सदा उन्नति में लगा हुआ, प्रगतिशील।

वर्णप्रभा स्त्री. (तत्.) रंग के उत्तम प्रयोग से उत्पन्न प्रभा, रंग की चमक-दमक, रंग का आकर्षक इस्तेमाल।

वर्णा अव्य. (तत्.) नहीं तो, अन्यथा, विकल्प में।

वर्म¹ पुं. (तत्.) 1. कवच 2. घर, मकान 3. छाल।

वर्म² पुं. (फा.) शरीर के किसी अंग की सूजन, शोथ।

वर्मा/वर्मन पुं. (तत्.) 1. क्षत्रिय अथवा कायस्थ जाति की सूचक एक उपाधि, उपनाम हिंदू चातुर्वर्णा के लिए प्रयुक्त शब्दों में से एक जैसे- ब्राह्मण के लिए शर्मण, क्षत्रीय के लिए वर्मन, वैश्य के लिए गुप्त, शूद्र के लिए दास उदा. सर्मन वर्मन देव औ दासा-कबीर (रमैनी)।

वर्मित वि. (तत्.) कवचधारी, जिसने कवच धारण किया हो, वर्म वाला।

वर्य वि. (तत्.) 1. समासयुक्त पद के अंत में प्रयुक्त जैसे- पंडितवर्य, वैश्यवर्य, विद्वतवर्य, जिसका अर्थ है श्रेष्ठ या सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम 2.

प्रधान, मुख्य 3. वरण किए जाने योग्य, चुनने योग्य।

वर्या स्त्री. (तत्.) 1. स्वयं पति-वरण करने वाली कन्या, स्वयंवरा 2. कन्या।

वर्वर वि. (तत्.) बलखाता हुआ 1. वर्वर देश का वासी, बर्बरक 2. पतित, जाति बहिष्कृत 3. नृत्य की एक मुद्रा 4. असभ्य, जंगली, बुद्धू, मूर्ख 5. हकलाने वाला 6. हथियारों की झनकार 7. घुंघराले बाल।

वर्ष पुं. (तत्.) 1. समय का एक मान जिसमें 365 दिन और रातें होती हैं, पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा में लगा पूरा समय, बरस, साल 2. कालगणना की दृष्टि से किसी ग्रह, उपग्रह, नक्षत्र मंडल आदि के एक चक्र के पूरा होने का समय जैसे- सौरवर्ष, चांद्रवर्ष, नाक्षत्र वर्ष आदि 3. किसी महाद्वीप का एक बड़ा भूखण्ड, द्वीप जैसे- भारतवर्ष 4. किसी मास की किसी तिथि से फिर उसी मास की उसी तिथि में आने तक का समय जैसे- चैत्र शुक्ल पंचमी से अगली चैत्र शुक्ल चतुर्थी तक का समय अथवा 1 मार्च से अगली 28 फरवरी तक का समय 5. वर्षा, वृष्टि, बरसना, बौछार 6. मेघ, बादल।

वर्षक वि. (तत्.) 1. बरसने वाला, वर्षा करने वाला, बरसाने वाला, ऊपर से फेंकने वाला जैसे- बम-वर्षक विमान।

वर्षकाम पुं. (तत्.) वर्षा चाहने वाला, वृष्टि चाहने वाला।

वर्षकामेष्टि स्त्री. (तत्.) वर्षा कराने की इच्छा से किया जाने वाला यज्ञ।

वर्षगाँठ स्त्री. (तत्.) जन्मदिवस, जन्म दिन, बरसगाँठ, सालगिरह टि. प्राचीन काल में एक लंबी डोरी में बच्चे के प्रत्येक जन्मदिन पर बच्चे की लंबाई के अनुसार गाँठ लगाने की प्रथा के अनुसार 'वर्षगाँठ' शब्द का प्रचलन हुआ।

वर्षघ्न वि. (तत्.) 1. वर्षा में विघ्न करने वाला, वर्षा को रोकने वाला अर्थात् बादल, पवन, वायु,